भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 316

03 फरवरी, 2021 को उत्तर के लिए

इस्पात की कीमतों में अत्यधिक बढ़ोतरी

316. श्री सुशील कुमार मोदीः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि लोहे की कीमतें आसमान छू रही है जो जुलाई, 2020 में 35,000 रूपये प्रति टन से बढ़कर जनवरी, 2021 में 58,000 रूपये प्रति टन हो गई है;

(ख) क्या यह सच है कि लौह अयस्क (लंप) की कीमत में अप्रैल-दिसंबर, 2019 की तुलना में अप्रैल-दिसंबर, 2020 में 153% का परिवर्तन आया है; और

(ग) यदि हां, तो इस अत्यधिक बढ़ोतरी का क्या कारण है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): जुलाई, 2020 और जनवरी, 2021 के लिए पिग आयरन और स्पंज आयरन की औसत घरेलू खुदरा कीमतों (दिल्ली के बाजार) का तुलनात्मक ब्यौरा निम्नानुसार है:

मद	**घरेलू औसत खुदरा कीमतें (दिल्ली) (प्रति टन ₹)**		
	जुलाई, 2020	जनवरी, 2021	% बदलाव
पिग आयरन	36820	50940	38.3
स्पंज आयरन (कोयला)	22540	33970	50.7

(स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति-जेपीसी)

(ख): अप्रैल-दिसंबर, 2019 की तुलना में अप्रैल-दिसंबर, 2020 के दौरान लौह अयस्क की कीमतें नीचे दी गई हैं:-

माह	लौह अयस्क लंप का आधार मूल्य (रुपए/टन) एफई 65.5%,6-40 एमएम	माह	लौह अयस्क लंप का आधार मूल्य (रुपए/टन) एफई 65.5%,6-40 एमएम	% बदलाव (एमओएम आधार)
अप्रैल-19	2850	अप्रैल-20	2650	-7.02
मई-19	2850	मई-20	2250	-21.05
जून-19	3100	जून-20	2250	-27.42
जुलाई-19	3100	जुलाई-20	2450	-20.97
अगस्त-19	2900	अगस्त-20	2950	1.72
सितंबर-19	2700	सितंबर-20	3250	20.37
अक्टूबर-19	2700	अक्टूबर-20	3450	27.78
नवंबर-19	2600	नवंबर-20	4000	53.85
दिसंबर-19	2600	दिसंबर-20	5200	100

(स्रोत: एनएमडीसी)

(ग): किसी नियंत्रणमुक्त बाजार-परिदृश्य में, कच्चे माल के साथ लोहा और इस्पात की कीमतों का निर्धारण देशी तथा वैश्विक स्तरों, दोनों पर माँग और आपूर्ति की बाजार दशाओं द्वारा होता है। वर्तमान वित्त वर्ष में नवंबर तक लौह अयस्क का घरेलू उत्पादन विगत वर्ष की तत्संबंधी अवधि (सीपीएलवाई) के दौरान 152 मिलियन टन की तुलना में 112 मिलियन टन रहा है, जिसका मुख्य कारण मार्च, 2020 में ओडिशा राज्य में खनन पट्टों की नीलामी के बाद उनका गैर-प्रचालन है। हाल के महीनों में कीमतों में वृद्धि में योगदान देने वाले महत्वपूर्ण कारकों में अन्यों के साथ-साथ कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण लॉकडाउन होने से विश्वभर विशेषकर यूरोप, जापान एवं दक्षिण कोरिया में आर्थिक गतिविधियों का केवल आंशिक रूप से पुनरारंभ होने तथा प्रचलित उच्च वैश्विक इस्पात कीमतों इत्यादि के कारण माँग-आपूर्ति में असंतुलन होना शामिल है।

****